



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 525] नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 31, 1974/पौष 10, 1896

No. 525] NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 31, 1974/PAUSA 10, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed
as a separate compilation

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

ORDER

New Delhi, the 31st December 1974

S.O. 742(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following order to amend the Paper (Conservation and Regulation of Use) Order, 1974, namely:—

1. (1) This Order may be called the Paper (Conservation and Regulation of Use) Amendment Order, 1974.

(2) It shall be deemed to have come into force at once.

2. In clause 4 of the Paper (Conservation and Regulation of Use) Order, 1974 (hereinafter referred to as the said Order), after sub-clause (iv), the following sub-clause shall be inserted, namely:—

“(v) any diary, calendar or invitation or greeting card completely made of hand-made paper.”

3. After clause 4 of the said Order, the following clause shall be inserted, namely:—

“5. *Power to exempt.*—(1) The Central Government may, having regard to the fact that a particular diary containing technical data relating to engineering, legal, medical or any other matter is meant to be used generally as an aid for ready reference by persons in the engineering, legal, medical or other

professions, by order and subject to such conditions, if any, as may be specified in the order, exempt the printing of such diary from the operation of the provisions of this Order.

- (2) The Central Government may, having regard to the fact that a particular diary, calendar or invitation or greeting card made or printed before the 1st day of September, 1974, could be used only after the printing of the name of the customer or of a message or material in such diary, calendar, or invitation or greeting card, by order and subject to such conditions, if any, as may be specified in the order, exempt the printing of such diary, calendar, or invitation or greeting card from the operation of the provisions of this Order.
- (3) The Central Government may, if it is satisfied that the printing of any of the articles specified in clause 3 which was undertaken before the 1st day of August, 1974 could not be completed before the 1st day of September 1974, and that the operation of clause 3 to such article may lead to wastage of paper, by order and subject to such conditions, if any, as may be specified in the order, exempt the printing of such article from the operation of the provisions of this Order.

Provided that no order under sub-clause (2) or sub-clause (3) shall be issued after the last day of March, 1975."

[No. 14(13)/74-Paper]

A. K. GHOSH, Addl. Secy.

उद्योग और नागरिक त्ति संशोधन

आदेश

नई दिल्ली, 31 दिसम्बर, 1974

का० आ० 742 (अ).—केन्द्रीय सरकार, आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 (1955 का 10) के नियम 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कागज (संरक्षण और प्रयोग का निर्वन्धन) आदेश, 1974 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित आदेश करती है। अर्थात् :—

1. (1) इस आदेश का नाम कागज (संरक्षण और प्रयोग का निर्वन्धन) संशोधन आदेश, 1974 है।

(2) इसे तुरन्त, प्रवृत्त हुआ समझा जाएगा।

2. कागज (संरक्षण और प्रयोग का निर्वन्धन) आदेश, 1974 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) के खण्ड 4 में, उपखण्ड (iv) के पश्चात्, निम्नलिखित उपखण्ड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"(v) पूर्णतया हाथ से बने कागज से बनी कोई डायरी, कलेण्डर या आमन्त्रण या अभिनन्दन पत्र।"

3. उक्त आदेश के खण्ड 4 के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"5. छूट देने की शक्ति.—(1) केन्द्रीय सरकार, इस बात का ध्यान रखते हुए कि ऐसी विशेष डायरी, जिसमें इंजीनियरी, विधिक, चिकित्सीय या किसी अन्य विषय से सम्बन्धित तकनीकी आंकड़े अन्तर्विष्ट हैं, इंजीनियरी, विधिक, चिकित्सीय या अन्य व्यवसायों में के व्यक्तियों द्वारा सुलभ हवाले के लिए साधारणतया

एक सहायता के रूप में प्रयोग किए जाने के लिए आशयित हैं, आदेश द्वारा और ऐसी शर्तों, यदि कोई हो, जो आदेश में विनिर्दिष्ट हों, के अधीन रहते हुए ऐसी डायरी के मुद्रण को, इस आदेश के उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

- (2) केन्द्रीय सरकार, इस तथ्य का ध्यान रखते हुए कि कोई विशेष डायरी, कलेण्डर या आमंत्रण या अभिनन्दन पत्र, जो 1 सितम्बर, 1974 से पूर्व बनाया गया या मुद्रित किया गया हो, ऐसी डायरी, कलेण्डर या आमंत्रण या अभिनन्दन पत्र में ग्राहक का नाम या किसी संदेश या सामग्री के मुद्रण के पश्चात् ही प्रयोग में लाया जा सकेगा, आदेश द्वारा और ऐसी शर्तों, यदि कोई हों, जो आदेश में विनिर्दिष्ट हों, के अधीन रहते हुए ऐसी डायरी, कलेण्डर या आमंत्रण या अभिनन्दन-पत्र के मुद्रण को इस आदेश के उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।
- (3) केन्द्रीय सरकार, यदि उसका समाधान हो जाए कि खण्ड 3 में विनिर्दिष्ट वस्तुओं में से किसी का मुद्रण, जिनका मुद्रण कार्य 1 अगस्त, 1974 से पूर्व हाथ में लिया गया था, 1 सितम्बर, 1974 से पूर्व पूर्ण नहीं किया जा सका, और ऐसी वस्तु पर खण्ड 3 के प्रवर्तन से कागज की बरबादी होगी, आदेश द्वारा और ऐसी शर्तों, यदि कोई हों, जो आदेश में विनिर्दिष्ट हों के अधीन रहते हुए, ऐसी वस्तु के मुद्रण को, इस आदेश के उपबन्धों के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी :

परन्तु उपखण्ड (2) या उपखण्ड (3) के अधीन कोई आदेश मार्च, 1975 के अन्तिम दिन के पश्चात् जारी नहीं किया जाएगा।

[सं० 14(13)/74-पेपर]

ए० के० घोष, अपर सचिव।

